दूसरे जन्मे की कृपा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शांति! हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम का आशीर्वाद हो।

दूसरे जन्मे होने में एक गहरी शक्ति है — यह स्थिति ईश्वर की दिव्य योजना में एक अनोखी जगह रखती है।

बाइबिल हमें बताती है कि इस्राएल ईश्वर का पहला जन्मा पुत्र है।

निर्गमन 4:22-23 (ESV)
“तब तू फ़िरौन से कहेगा, ‘इस प्रकार प्रभु कहता है: इस्राएल
मेरा पहला पुत्र है। और मैं तुझसे कहता हूँ, मुझे मेरा पुत्र जाने दे कि वह मेरी सेवा करे। यदि तू उसे जाने देने से इंकार करेगा, देख, मैं तेरा पहला पुत्र मार दूँगा।’”

इस्राएल को ईश्वर का पहला जन्मा पुत्र बताने का अर्थ theological दृष्टि से गहरा है। प्राचीन यहूदी संस्कृति में, पहला पुत्र जन्मसिद्ध अधिकार (bekorah) पाता था — जिसमें विरासत, अधिकार और आध्यात्मिक जिम्मेदारियाँ शामिल थीं (देखें व्यवस्थाविवरण 21:17)। पहले जन्मे के आशीर्वाद ईश्वर के वाचा योजना की ओर इशारा करते थे और मसीह, परमेश्वर के परम प्रथमजन्मा, का पूर्वाभास देते थे (देखें कुलुस्सियों 1:15-18)।

दूसरे जन्मे की कृपा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यदि पहला जन्मा है, तो दूसरा जन्मा भी होना चाहिए। इस्राएल का पहला जन्मा ईश्वर के प्रारंभिक वाचा लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि दूसरा जन्मा — सभी अन्य राष्ट्र — यह दर्शाता है कि ईश्वर की दया अन्य जातियों तक भी फैली। इसलिए इस्राएल पहले ईश्वर के आशीर्वाद पाने वाला था। उन्होंने पहले ईश्वर को जाना, उसकी वाचा की प्रतिज्ञाओं को प्राप्त किया और उसकी निष्ठा का प्रदर्शन किया।

परिवारों में, यह कभी-कभी असमान लगता है जब छोटे बच्चे को प्रारंभ में कम ध्यान या कम विशेषाधिकार मिलते हैं। लेकिन परिपक्वता से बच्चे यह समझते हैं कि बड़ा पहले इसलिए जाता है क्योंकि वह जन्म के क्रम में पहले है। इसी तरह, इस्राएल को पहला जन्मा चुनने का ईश्वर का निर्णय पक्षपात नहीं था, बल्कि उद्देश्यपूर्ण था।

हम पूछ सकते हैं: ईश्वर ने इस्राएल को पहले क्यों चुना?

निर्गमन 4:22 याद दिलाता है — इस्राएल पहला जन्मा है। उन्होंने पहले “नए जूते” प्राप्त किए, यानी वाचा ज्ञान और प्रकट होने के आशीर्वाद, और हम, अन्य राष्ट्र, बाद में इन आशीर्वादों के वारिस बनेंगे। यही कारण है कि पुराने नियम
में इस्राएल का इतिहास महत्वपूर्ण है — ताकि हमें ईश्वर के मार्ग सिखाए जाएँ और मसीह के प्रकट होने के लिए तैयार किया

दूसरे जन्मे की कृपा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

जाए।

सबसे बड़ा रहस्य हम, अन्य जातियों के लिए है, जिन्हें पहला जन्मा नहीं चुना गया। यह रहस्य क्रूस पर प्रकट होता है।

यीशु मसीह के माध्यम से, जब समय आया, तो हम अन्य जातियाँ ईश्वर के परिवार में जोड़े गए (रोमियों 11:17-18, NIV)। हम पहले बाहर थे, लेकिन मसीह ने हमें वारिस बना दिया। पुराने वाचा में, विरासत केवल पहले जन्मे के लिए थी। क्रूस के माध्यम से, यह विशेष अधिकार उन सभी पर फैल गया जिन्होंने यीशु मसीह में विश्वास किया।

इफिसियों 2:12-14 (NIV)
“उस समय तुम मसीह से अलग थे, इस्राएल की नागरिकता से बाहर और प्रतिज्ञा की वाचा से पराए, आशाहीन और संसार में बिना ईश्वर के थे। पर अब मसीह यीशु में, जो कभी दूर थे, उन्हें मसीह के रक्त द्वारा नज़दीक लाया गया। क्योंकि वही हमारा शांति है, जिसने दोनों समूहों को एक कर दिया और शत्रुता की दीवार को नष्ट कर दिया।”

यह क्रूस की गहन कृपा दिखाता है: जो ईश्वर की योजना में दूसरे

दूसरे जन्मे की कृपा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

जन्मे थे, अब मसीह के साथ सह-वारिस हैं।

याकूब ने योसेफ के पुत्रों को आशीर्वाद दिया — यह आध्यात्मिक सच्चाई को दर्शाता है। याकूब को पहले जन्मे पर दाहिना हाथ और दूसरे जन्मे पर बायां हाथ रखना था। लेकिन उसने हाथों को क्रॉस किया — बायां पहले जन्मे पर और दाहिना दूसरे जन्मे पर (उत्पत्ति 48:8-17, ESV) — यह क्रूस का भविष्यवाणी प्रतीक बन गया।

क्रूस के माध्यम से, ईश्वर ने “दूसरे जन्मे” (अन्य जातियों) को पहले जन्मे के लिए निर्धारित विरासत के आशीर्वाद दिए। यह मसीह के उद्धार कार्य का पूर्वाभास है: अन्य जातियाँ विश्वास के माध्यम से उद्धार और शाश्वत विरासत प्राप्त करती हैं। यह कृपा अद्वितीय है और इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

क्या आप अभी भी क्रूस का महत्व कम आंक रहे हैं? क्या आप अभी भी सांसारिक सफलता के पीछे भाग रहे हैं, इसके गहन आध्यात्मिक महत्व को समझे बिना? याद रखें, ईश्वर के बच्चों को वचनित विरासत शाश्वत है: नया स्वर्ग और नई पृथ्वी, दुख, भूख, मृत्यु या शोक से मुक्त (प्रकाशितवाक्य 21:1-4, NIV)। यह विरासत उन लोगों के लिए तैयार है जो ईश्वर से प्रेम करते हैं — ऐसी चीजें जो आंख ने नहीं देखी और कान ने नहीं सुनी (1 कुरिन्थियों 2:9, ESV)।

दूसरे जन्मे की कृपा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

क्रूस का सुसमाचार हमारे लिए कभी मूर्खता नहीं होना चाहिए। जैसा कि पॉल लिखते हैं:

1 कुरिन्थियों 1:18 (ESV)
“क्योंकि क्रूस का संदेश उन नाश हो रहे लोगों के लिए
मूर्खता है, पर हमारे लिए जो उद्धार पा रहे हैं, यह ईश्वर की शक्ति है।”

यदि आपने अभी तक अपना जीवन यीशु को नहीं सौंपा है, तो आज का दिन है। मसीह के माध्यम से उद्धार किसी धर्म या संप्रदाय के बारे में नहीं है — यह ईश्वर की कृपा में प्रवेश है।

अगर आप पश्चाताप करने के लिए तैयार हैं, तो कुछ मिनट अकेले बिताएँ। अपने पापों को ईश्वर के सामने सच्चाई से स्वीकार करें, जैसे अनैतिकता, चोरी, गर्भपात, व्यभिचार, मद्यपान, abusive भाषा, और किसी भी छुपे पाप। अपने हृदय में निर्णय लें कि आप पाप से दूर होंगे और ईश्वर की दया पर विश्वास रखें।

इसके बाद, उचित बपतिस्मा प्राप्त करें। बपतिस्मा वैकल्पिक नहीं है। यीशु स्वयं बपतिस्मा लिया, उदाहरण प्रस्तुत किया (मत्ती 3:13-17, NIV)। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर

दूसरे जन्मे की कृपा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

बपतिस्मा लें। यह सार्वजनिक क्रिया आपके पश्चाताप और मसीह के प्रति आज्ञाकारिता को पुष्टि करती है।

एक बार बपतिस्मा और क्षमा प्राप्त करने के बाद, आपका उद्धार पूर्ण है, और आप आध्यात्मिक रूप से पुनर्जन्मित हैं। आप अब मसीह के साथ सह-वारिस हैं, ईश्वर की शाश्वत योजना का हिस्सा हैं, अंतिम दिनों में आशा और भरोसे के साथ जीवित हैं।

याद रखें, अंतिम दिन आ रहे हैं, और जो मसीह को अस्वीकार करेंगे उन पर महान न्याय आएगा (मत्ती 24:12-14, NIV)। ईश्वर हमें विश्वासयोग्य रहने में मदद करें और हम उनके बीच न हों। यह गंभीर समय है — इसे हल्के में न लें।

प्रभु यीशु आप पर बहुतायत से आशीर्वाद दें, आपके कदमों का मार्गदर्शन करें, और आपके विश्वास को मजबूत करें। आमीन।

Share on:
WhatsApp